हर महिला को वित्तीय साक्षर बनकर बैंकिग योजनाओं का लाभ लेना जरूरी

वित्तीय साक्षरता पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

जयपुर मिड-डे टाइम्स

चित्तौड़गढ़। महिलाएं सरकारी एवं गैर सरकारी वित्तीय संस्थाओं की योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बने, आज के युग में बैंकिंग एक बुनियादी सेवा के रूप में विकसीत हो रही है। हर महिला को वित्तीय साक्षर होना जरूरी है उक्त विचार जिला रसद अधिकारी कुमारी बिजल सुराणा ने कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा शुक्रवार को किसान भवन के सभागार में आयोजि वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण परियोजना के अर्न्तगत जिला स्तरीय हितधारक एवं वित्तीय परामर्ष कार्यषाला में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये। कट्स के सहायक निदेषक गौहर महमूद ने बताया कि भारत सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सहयोग से संचालित वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण परियोजना के तहत जिला स्तरीय कार्यषाला का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम से लाभान्वित होकर अपने अनुभवों को साझा किया जो अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायी रहा। मुख्य वक्ता के रूप में अग्रणी जिला प्रबन्धक एस.के. मेन्दीरत्ता ने बताया कि परिवार के प्रत्येक सदस्य को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंषन योजना से जुडना चाहिए एवं महिलाएं स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम से जुड कर बचत करने की आदत विकसित करने पर जोर दिया। बीआरकेजी बैंक के एफएलसी कोर्डिनेटर अखीन्द पुरोहित ने बैंकों की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि बेंकों द्वारा कई तरह की योजनाएं संचालित है, लेकिन जानकारी के अभाव में और समय पर लोग इनका फायदा नही ले पाते है। एटीएम कार्डधारी की दुर्घटनावंष मृत्यु हो जाती है और 45 दिन के भीतर उसने एक बार कार्ड का उपयोग किया हो तो सरकार उसे 2 लाख तक का मुआवजा देती है, इस तरह अटल पेंषन योजना में 60 वर्ष की उम्र के पश्चात् 1000 से 5000 तक की पेंषन परिवार का कोई भी सदस्य जो 18 वर्ष से अधिक का हो, फायदा ले सकता है।

इस अवसर भारत सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय दिल्ली के प्रतिनिधि श्री सचिन कुमार ने महिलाओं को षिक्षित और जागरूक होकर डिजिटल सेवाओं से जुडकर लाभ लें और सामाजिक कुरूतियों को खत्म करनें के लिए एकजुट होकर आगे आने के लिए प्रेरित किया।

जिला स्तरीय कार्यशाला में वित्तीय योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए किया प्रेरित

महिलाओं के लिए वित्तीय साक्षरता पर आयोजन

भास्कर संवाददाता | चित्तौड़गढ़

महिलाएं सरकारी एवं गैर सरकारी वित्तीय संस्थाओं की योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बने, आज के युग में बैंकिंग एक बुनियादी सेवा के रूप में विकसित हो रही है। हर महिला को वित्तीय साक्षर होना जरूरी है। ये बात डीएसओ बिजल सुराणा ने कट्स मानव विकास केंद्र द्वारा शुक्रवार को किसान भवन सभागार में वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण परियोजना के वित्तीय परामर्श कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

कट्स के सहायक निदेशक गौहर महमूद ने बताया कि कार्यशाला में महिलाओं ने अनुभव साझा किए। मुख्य वक्ता अग्रणी जिला प्रबंधक एसके मेंदीरत्ता ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना से जुड़ने की बात कही।

बीआरकेजी बैंक के एफएलसी कोऑर्डिनेटर अखिंद पुरोहित ने बैंक योजनाओं की जानकारी दी। केंद्र सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय दिल्ली के प्रतिनिधि सचिन कुमार ने महिलाओं को शिक्षित और जागरूक होकर डिजिटल सेवाओं से जुड़कर लाभ लें और सामाजिक कुरीतियों को खत्म करने के लिए एकजुट होकर आगे आने के लिए प्रेरित किया। संचालन कट्स की परियोजना प्रभारी गायत्री सोढ़ा ने किया।

बढ़ता राजस्थान
badhatarajasthan.com

हर महिला को वित्तीय साक्षर बनकर बैंकिग योजनाओं का लाभ लेना जरूरी

» वित्तीय साक्षरता पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

चित्तौड़गढ़ (बढ़ता राजस्थान)। महिलाएं सरकारी एवं गैर सरकारी वित्तीय संस्थाओं की योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भर बने, आज के युग में बैंकिग एक बुनियादी सेवा के रूप में विकसीत हो रही है। हर महिला को वित्तीय साक्षर होना जरूरी है उक्त विचार जिला रसद अधिकारी कुमारी बिजल सुराणा ने कट्स मानव विकास केन्द्र द्वारा शुक्रवार को किसान भवन के सभागार में आयोजि वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण परियोजना के अर्न्तगत जिला स्तरीय हितधारक एवं वित्तीय परामर्ष कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये।कट्स के सहायक निदेषक गौहर महमूद ने बताया कि भारत सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के सहयोग से संचालित वित्तीय उपभोक्ता संरक्षण परियोजना के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें महिलाओं ने वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम से लाभान्वित होकर अपने अनुभवों को साझा किया जो अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणादायी रहा।

मुख्य वक्ता के रूप में अग्रणी जिला प्रबन्धक एस.के. मेन्दीरत्ता ने बताया कि परिवार के प्रत्येक सदस्य को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंषन योजना से जुडना चाहिए एवं महिलाएं स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम से जुड कर बचत करने की आदत विकसित करने पर जोर दिया ।बीआरकेजी बैंक के एफएलसी कोर्डिनेटर अखीन्द पुरोहित ने बैंकों की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि बेंकों द्वारा कई तरह की योजनाएं संचालित है, लेकिन जानकारी के अभाव में और समय पर लोग इनका फायदा नही ले पाते है। एटीएम कार्डधारी की दुर्घटनावंष मृत्यु हो जाती है और 45 दिन के भीतर उसने एक बार कार्ड का उपयोग किया हो तो सरकार उसे 2 लाख तक का मुआवजा देती है, इस तरह अटल पेंषन योजना में 60 वर्ष की उम्र के पश्चात् 1000 से 5000 तक की पेंषन परिवार का कोई भी सदस्य जो 18 वर्ष से अधिक का हो, फायदा ले सकता है। इस अवसर भारत सरकार के उपभोक्ता मामले खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय दिल्ली के प्रतिनिधि श्री सचिन कुमार ने महिलाओं को षिक्षित और जागरूक होकर डिजिटल सेवाओं से जुड़कर लाभ लें और सामाजिक कुरूरितीयों को खत्म करनें के लिए एकजुट होकर आगे आने के लिए प्रेरित किया। कार्यषाला में चित्तौडगढ जिले की 11 पंचायत समितियों से 122 महिलाओं नें भाग लिया।